आरोप | मवई मर्डर केस में बड़ा मोड़, परिजनों के विरोध के बाद कब्र से निकाला गया युवती का शव

सड़क हादसा बताने वाली पुलिस की खुली पोल

मंडला/मवई। मवई थाना क्षेत्र अंतर्गत सारसडोली सड़क मार्ग पर मडवा गाँव के पास गत 2 जून 2026 को हुई एक युवती की संदिग्ध मौत के मामले में अब एक नया और सनसनीखेज मोड़ आ गया है। परिजनों का आरोप है कि उत्तम माठले नामक व्यक्ति ने युवती का गला दबाकर और धारदार हथियार से उसकी बेरहमी से हत्या कर दी और शव को सड़क किनारे फेंक कर फरार हो गया था। इस मामले में मवई पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, क्योंकि पुलिस ने शुरुआत में इसे एक साधारण सड़क हादसा करार दिया था।

बताया गया कि पुलिस की इस बात से असंतुष्ट परिजनों ने हार नहीं मानी और 2 जुलाई को एसडीएम को एक लिखित आवेदन देकर मामले की दोबारा निष्पक्ष जांच और शव को कब्र से निकालकर पुन: पोस्टमार्टम कराने की मांग की। परिजनों की इस गुहार के बाद

प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में युवती के शव को दोबारा बाहर निकाला गया। हालांकि क्षेत्र में हो रही तेज बारिश के कारण मवई में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी, जिसके चलते शव को अग्रिम जांच और पोस्टमार्टम के लिए बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है।

हत्या को सड़क हादसा बनाने की साजिश के खिलाफ परिजनों का फूटा गुस्सा : मवई थाना क्षेत्र में हुई एक युवती की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस और डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। मृतिका के पिता आशाराम बघेल का कहना है कि युवती की हत्या गला घोंटकर की गई थी, लेकिन तत्कालीन थाना प्रभारी प्रताप सिंह मरकाम ने हत्या का मामला दर्ज करने के बजाय इसे सड़क दुर्घटना दिखाकर केस को रफा-दफा करने की पूरी कोशिश की। आशाराम बघेल ने बताया कि मृतिका के गले पर किसी केबल या रस्सी से गला घोंटने के स्पष्ट निशान थे, जिसे मवई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर वैभव पटेल ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसे शामिल नहीं किया। इस लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता से तंग आकर परिजनों को दोबारा शव निकालकर जांच कराने के लिए मजबूर होना पड़ा। न्याय के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ रहा है और ऐसा महसूस हो रहा है जैसे वे आउटसोर्स के जरिए खुद ही जांच करा रहे हों। फिलहाल प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में दोबारा निष्पक्ष पोस्टमार्टम के लिए युवती का शव कब्र से बाहर निकाला गया है जिससे सच सामने आ सके।

इनका कहना है

जो पहले पोस्टमार्टम हुआ था, उसमें कुछ कमियां रह गई हैं। जैसे गले में निशान था, जो कि गला घोंटने का निशान है, जिसे पीएम की रिपोर्ट में नहीं लिखा गया है। जिसके कारण हम दोबारा पीएम करा रहे है। इस घटना को जो एक्सीडेंट कहा जा रहा है। क्योंकि हमें अभी तक टीआई के द्वारा न किसी और सोर्स से हमें स्कूटी की गिरी हुई मिली है, न ही स्कूटी में किसी प्रकार की कोई खरोंच मिले है।

समीक्षा बघेल, परिजन

परिजनों ने संदेह व्यक्त किया था और आपत्ति जताई थी, इसलिए हमने पुन: पीएम एसडीएम मेडम के आदेश से कराया है।

आरती तेकाम, टीआई, मवई थाना

दोबारा पीएम इसलिए कराया जा रहा है, क्योंकि उस समय जो तत्कालीन टीआई प्रताप सिंह द्वारा हत्या का केस दर्ज न करके इसको सड़क दुर्घटना दिखाकर केस को रफा-दफा करने की कोशिश की गई।

आशाराम बघेल, मृतिका के पिता

स्कूली बच्चों और शिक्षकों को सिखाए सुरक्षा के गुर, दिलाई शपथ

साइबर अपराधों के खिलाफ टिकरिया पुलिस की मुहिम मॉडल स्कूल कूड़ा मैली में साइबर जागरूकता कार्यक्रम

नारायणगंज। क्षेत्र में बढ़ते ऑनलाइन अपराधों और डिजिटल ठगी पर अंकुश लगाने के लिए टिकरिया थाना पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत टिकरिया पुलिस टीम ने शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक शाला कूड़ा मैली में एक विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। जहां टिकरिया थाने से एसआई पंकज सिंह विष्ट, थाने का स्टाफ, स्कूल के छात्र-छात्राएं और शिक्षक शामिल हुए।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान एसआई पंकज सिंह ने उपस्थित बच्चों और अध्यापकों को विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया ठगी और असुरक्षित लिंक से बचने के तरीके समझाए। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर तुरंत सहायता

के लिए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समापन पर सभी स्कूली बच्चों और शिक्षकों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने और समाज को जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।

साइबर ठगी के खिलाफ नैनपुर पुलिस की बड़ी सफलता

नैनपुर। ऑनलाइन साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना नैनपुर पुलिस एवं साइबर सेल की टीम ने एक पीड़ित को बड़ी राहत दिलाई है। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा एवं एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के कुशल निर्देशन में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी की राशि वापस कराने में सफलता हासिल की है। मामले के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बीते 11 जून 2026 को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर ऑनलाइन ठगी की एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही थाना नैनपुर पुलिस और साइबर सेल ने तत्परता दिखाई और संबंधित बैंक व एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर ठगों के उस बैंक खाते को तत्काल होल्ड करवा दिया, जिसमें राशि ट्रांसफर की गई थी।

एक नजर में

वॉक बिहाइंड 6 कतारी पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान रोपाई का किया गया प्रदर्शन

मंडला। कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा मंगलवार को विकासखंड निवास के ग्राम देवगाँव में किसानों के लिए वॉक बिहाइंड 6 कतारी पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन का प्रदर्शन आयोजित किया गया। किसान एवं उप सरपंच सुरेंद्र पटेल के खेत में आयोजित इस प्रदर्शन में किसानों को धान की रोपाई में आधुनिक कृषि यंत्रीकरण के लाभों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सहायक कृषि यंत्री मंडला श्रीमती प्रियंका मेश्राम ने किसानों को बताया कि पारंपरिक पद्धति से धान रोपाई में मजदूरों की कमी और अधिक लागत जैसी समस्याओं का समाधान पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से संभव है। मशीन के उपयोग से कम समय में अधिक क्षेत्र में रोपाई की जा सकती है तथा फसल की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने बताया कि मशीन के उपयोग के लिए पहले मैट टाइप नर्सरी तैयार की जाती है। लगभग 15-16 दिन की पौध तैयार होने के बाद मशीन से व्यवस्थित तरीके से रोपाई की जाती है। इससे रोपाई की लागत में 70 से 80 प्रतिशत तक कमी आती है, समय की बचत होती है तथा उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि होने की संभावना रहती है। प्रदर्शन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। किसानों ने मशीन के प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे कृषि कार्यों के लिए उपयोगी बताया तथा मशीन खरीदने में भी रुचि दिखाई। कृषि अभियांत्रिकी विभाग ने बताया कि यह मशीन विभाग द्वारा अनुदान पर किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है।

फ्यूचर हीलर्स रैंप वॉक और लघु नाटिका से विद्यार्थियों ने जीता दिल

मंडला। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर ब्रेन चाइल्ड एकेडमी में डॉक्टर का समर्पण और मानवता की सेवा थीम के तहत श्रद्धा एवं सम्मान के साथ एक शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ महान चिकित्सक व समाजसेवी डॉ. बीसी रॉय के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने चिकित्सा समुदाय को समर्पित एक प्रभावशाली लघु नाटिका और आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फ्यूचर हीलर्स रैंप वॉक रहा, जिसमें बच्चे विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों की वेशभूषा में नजर आए। इसके साथ ही छात्रों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार और सीपीआर का उपयोगी जीवनरक्षक प्रदर्शन भी दिखाया गया। समापन पर एकेडमी के संचालक निशांत शुक्ला ने प्रेरणादायी उद्बोधन देते हुए विद्यार्थियों से चिकित्सकों की मानवीय सेवाओं का सम्मान करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में हुआ पौधरोपण

मंडला। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में अशोक के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक आनंद कुमार, मुख्य प्रबंधक आशीष मित्तल एवं मुख्य प्रबंधक विवेक सिंह अलपूरिया, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव की उपस्थिति रही। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अपनी मां के नाम पर लगाया गया एक पौधा न केवल पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित बनाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जीवनदायी साबित होगा। प्राचार्य श्रीमती नामदेव ने उपस्थित सभी लोगों को लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में इको क्लब के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हफ्तों बीते, स्कूल खुले पर ट्राइबल स्कूलों में अतिथि शिक्षक भर्ती अटकी

शिक्षा विभाग का आदेश जारी, विभागीय तालमेल की कमी से गरीब बच्चों की पढ़ाई चौपट

मंडला। नया शिक्षा सत्र अप्रैल से शुरू होने और 17 जून से स्कूल खुलने के बावजूद जिले के सैकड़ों जनजातीय कार्य विभाग के स्कूलों में पढ़ाई ठप पड़ी है। जिले के शिक्षक-विहीन और एकल शिक्षकीय स्कूलों में बच्चे बिना पढ़ाई के सिर्फ मध्याह्न भोजन करके घर लौटने को मजबूर हैं।

बताया गया कि मामले की मुख्य वजह विभागीय तालमेल की कमी है। लोक शिक्षण संचालनालय ने 30 जून को अतिथि शिक्षक भर्ती का आदेश जारी कर दिया है, जिसके तहत शिक्षा विभाग के स्कूलों में प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। लेकिन

ट्राइबल विभाग के स्कूलों के प्राचार्यों का तर्क है कि जब तक उनके विभाग का अलग से आदेश जारी नहीं होता, वे भर्ती नहीं कर सकते, अन्यथा अतिथि शिक्षकों का मानदेय फंस जाएगा। अतिथि शिक्षक परिवार के जिला अध्यक्ष पीडी खैरवार का कहना है कि जब डीपीआई के अन्य सभी नियम ट्राइबल स्कूलों पर लागू होते हैं, तो इस भर्ती के लिए अलग आदेश का इंतजार क्यों किया जा रहा है। इस प्रशासनिक लेटलतीफी के कारण 1 जुलाई से स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति तो बढ़ रही है, लेकिन उन्हें न तो कोई पाठ पढ़ाया जा रहा है और न ही गृहकार्य मिल रहा है, जिससे बच्चे मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं।

अतिथि शिक्षकों को भी नुकसान, उठाई मांग : इस अव्यवस्था से जहाँ एक ओर गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों का भविष्य अंधकार में है, वहीं वर्षों से अल्प मानदेय पर काम कर रहे अतिथि शिक्षकों को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। संगठन ने मांग की है कि शासन इस भेदभाव और ढुलमुल रवैये को खत्म कर तत्काल ट्राइबल स्कूलों में भी अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति के आदेश जारी करे, ताकि समय पर कोर्स पूरा हो सके।

लंबे इंतजार के बाद बरसे बदरा, खरीफ फसलों की बुवाई में आएगी तेजी

घुघरी में बारिश से खिले किसानों के चेहरे, खेतों में लौटी रौनक

घुघरी। क्षेत्र में लंबे इंतजार के बाद गुरुवार को हुई झमाझम बारिश ने किसानों के चेहरों पर खुशी लौटा दी है। सुबह से ही मौसम में आए बदलाव के बाद दोपहर में तेज बारिश शुरू हो गई, जिससे खेतों में पर्याप्त नमी पहुंच गई। इस बारिश के बाद किसानों को खरीफ फसलों की बुवाई के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिल गई हैं।

बारिश से खेतों में पानी भर गया और पूरा वातावरण सुहावना हो गया। धान, मक्का और सोयाबीन जैसी खरीफ फसलों की खेती करने वाले किसानों ने इस बारिश को मौसम की बड़ी सौगात बताया है। अच्छी बारिश की आस लगाए किसान अब बुवाई के कार्यों में

तेजी लाने की तैयारी कर रहे हैं।

इस मानसूनी बारिश से न केवल खेती-किसानी को संबल मिला है, बल्कि पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस झेल रहे आम लोगों को भी बड़ी राहत मिली है। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और ठंडी हवाओं ने मौसम को खुशनुमा बना दिया, जिसका आनंद लेने लोग घरों से बाहर निकले। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह नियमित वर्षा होती रही, तो इस वर्ष खरीफ फसलों की पैदावार काफी बेहतर होने की उम्मीद है।

39 वर्ष की गौरवपूर्ण सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए शिक्षक राजकुमार चौकसे

संकुल स्तरीय समारोह में हुआ सम्मान, विदाई पर भावुक हुए गुरुजी

निवास, नवभारत। निवास विकासखंड के ग्राम पिपरिया निवासी शिक्षक राजकुमार चौकसे लगभग 39 वर्ष 8 माह की गौरवपूर्ण एवं निष्कलंक शासकीय सेवा पूर्ण करने के बाद सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनके सेवानिवृत्ति के अवसर पर शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सरस्वाही और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपरिया में संकुल स्तरीय विदाई समारोह का

आयोजन किया गया। इस दौरान शासकीय हाई स्कूल कटंगसिवनी में 38 वर्ष तक सेवाएं देने वाले शिक्षक राजेंद्र मार्को का भी विदाई सम्मान किया गया। समारोह में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील दुबे, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक नवीन व्यौहार, संकुल प्राचार्य डीके गुप्ता, सरपंच ज्योति मार्को और सचिव लक्ष्मण दास पिटानिया सहित बड़ी संख्या में शिक्षा अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों ने दोनों विदा हो रहे गुरुजनों को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

पंचायत समन्वयक अधिकारी पन्द्रो और सचिव मरकाम हुए सेवानिवृत

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज में मंगलवार को दो पंचायत अधिकारियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह लंबे समय तक शासकीय सेवा में रहने के बाद सेवानिवृत्त हुए पंचायत समन्वयक अधिकारी मोहनलाल पन्द्रो एवं ग्राम पंचायत छपरा के सचिव मंगलू मरकाम के सम्मान में आयोजित हुआ। अपने पूरे सेवाकाल में ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ दायित्वों का निर्वहन करने वाले दोनों अधिकारियों को भावभीनी विदाई दी।

बायोलॉजी की व्याख्याता संतोषी चौबे सेवानिवृत्त

मंडला। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में कार्यरत बायोलॉजी की व्याख्याता श्रीमती संतोषी चौबे की अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर विद्यालय परिवार द्वारा एक गरिमामय समारोह में उन्हें विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव ने की, जबकि सफल संचालन श्रीमती श्यामलता झरिया द्वारा किया गया। समारोह के दौरान शिक्षक संजीव वर्मा, हेमंत श्रीवास्तव, योगेश चौरसिया सहित अन्य वक्ताओं ने उकनी प्रशंसा की।

एक लाख से अधिक बच्चों को पिलाई गई पोलियो की दवा

मंडला। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत मंडला जिले में 28 से 30 जून तक चले तीन दिवसीय विशेष अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के 1,10,752 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। इस प्रकार जिले ने निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 100.1 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती ने बताया कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने घर-घर जाकर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, ईंट भट्टों तथा घुमक्कड़ बस्तियों सहित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई।

औद्योगिक क्षेत्र उदयपुर की दो औद्योगिक इकाइयों का भू-आवंटन निरस्त

मंडला। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मंडला द्वारा औद्योगिक क्षेत्र उदयपुर में आवंटित दो औद्योगिक इकाइयों का भू-आवंटन निरस्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई लीज डीड की शर्तों के उल्लंघन के कारण की गई। मैसर्स ऑन सपोर्ट्स पार्ट्स प्रोप्राइटर सादिया बी., निवासी जबलपुर तथा मैसर्स ओम साईं उद्योग प्रोप्राइटर श्री सौरभ शर्मा, निवासी जबलपुर को आवंटित भूखंडों की लीज शर्तों का पालन नहीं किया। इसके चलते विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों इकाइयों का भूआवंटन तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

किड्जी प्ले स्कूल में नेशनल डॉक्टर्स डे की रही धूम

नन्हे बच्चों को मिले सेहत और मुस्कान के टिप्स, मोबाइल से दूर रहने की सलाह

मंडला। सिविल लाइन स्थित किड्जी प्ले स्कूल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस बड़े ही उत्साह, उमंग और सम्मान के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर स्कूल परिसर में जिले के प्रतिष्ठित चिकित्सकों को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने खेल-खेल में नन्हे बच्चों को स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता और शरीर की सही देखभाल से जुड़ी बेहद महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. साकेत अग्रवाल ने बच्चों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए समय पर

सोने, संतुलित आहार लेने और नियमित व्यायाम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग न करने की सख्त सलाह देते हुए बताया कि ज्यादा स्क्रीन टाइम उनकी मासूम आँखों को नुकसान पहुँचा सकता है।

डॉक्टर से नहीं डरें बच्चे, अपनाएं अच्छी आदतें

पड़ाव स्थित ब्रेन चाइल्ड एकेडमी प्रीस्कूल शाखा में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर शहर की जानी-मानी और प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. जागृति अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जिन्होंने अपने प्रेरणादायक विचारों से नन्हे बच्चों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. जागृति अग्रवाल ने प्रीस्कूल के छोटे-छोटे विद्यार्थियों को अच्छे स्वास्थ्य और स्वच्छ जीवनशैली का महत्व बेहद सरल और मनोरंजक ढंग से समझाया। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने का सही तरीका, शरीर की साफ-सफाई, पौष्टिक व संतुलित आहार लेने तथा दैनिक जीवन में अच्छी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों के मन से डॉक्टर का डर दूर करते हुए कहा कि अस्वस्थ होने या चोट लगने पर बिना घबराए डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

योजना | वीबी जीरामजी योजना का जिला स्तरीय शुभारंभ, ग्रामीण श्रमिकों को मिलेगी 125 दिन के रोजगार की गारंटी

2047 तक ग्रामीण भारत की नींव मजबूत करेगी वीबी जीरामजी योजना : मंत्री उइके

नवभारत, मंडला। आंध्रप्रदेश में केंद्रीय पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मंडला जिले के रानी दुर्गावती महाविद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय सम्मेलन सह शुभारंभ कार्यक्रम में देखा गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत योजना के अंतर्गत जिले के प्रथम कार्य के रूप में ग्राम पंचायत आमानाला में मुक्तिधाम के समीप वृक्षारोपण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत के निर्माण में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। योजना के तहत श्रमिकों के पारिश्रमिक की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना पंचायतों के विभिन्न विकास कार्यों को भी गति प्रदान करेगी।

क्या है वीबी जीरामजी योजना

कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीना ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका के अवसरों का विस्तार करना, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना तथा ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी। रोजगार उपलब्ध न होने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान है।

भोपाल में मंडला के कोदो-कुटकी उत्पादों की प्रदर्शनी

मंडला। अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश एमएसएमई सम्मेलन में मंडला जिले की कोदो-कुटकी प्रसंस्करण इकाई मैसर्स मध्यम बेकर्स, बिछिया ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में इकाई द्वारा कोदो-कुटकी से निर्मित उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे आगंतुकों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सराहा। इस सहभागिता से मंडला जिले के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट उत्पादों को व्यापक पहचान मिलने के साथ-साथ विपणन और नए व्यावसायिक अवसरों की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।